



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-section (II)

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 534]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 24, 1982/अग्राहायण 3, 1904

No. 534] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 24, 1982/AGRAHAYANA 3, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1982

का० आ० 832(अ) :- 18कक/आई डी आर ए/82—भारत सरकार के उद्योग भण्डालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० 320(अ) 18कक/आई डी आर ए/79 तारीख 26 मई, 1979 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कह. गया है) द्वारा मैसर्स अपोलो जियर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध, उद्योग विकास और विनियमन अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन 25 मई, 1982 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए, जिसमें वह तारीख भी है प्रवृत्त कर लिया गया था और सचिव, उद्योग विभाग, पश्चिमी बंगाल सरकार का जिसे अब सचिव, औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग, पश्चिमी बंगाल सरकार कहा जाता है उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 246(अ)/18कक/आई डी आर ए/82 तारीख 25 मई, 1982 द्वारा उक्त आदेश की अवधि को 35 नवम्बर, 1982 तक, जिसमें आ० तारीख भी है बढ़ा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि शोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम को, सचिव औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग, पश्चिमी बंगाल सरकार के प्रबंध में 31 मई, 1983 तक की और अवधि के लिए बना रहना चाहिए ;

प्रतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि उक्त आदेश 31 मई, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी है, की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का०सं० 2(23)/80-सी०यू०एस०]

ए० पी० सरधन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 24th November, 1982

S.O. 832(E)/18AA/IDRA/82.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 320(E)/18AA/IDRA/79, dated the 26th May, 1979 (hereinafter referred to as the said Order) the management of the

whole of the Industrial Undertaking known as Messrs Appollo Zipper Company Private Limited, Calcutta, was taken over under clause (a) of sub-section (1) of Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of three years upto and inclusive of the 25th May, 1982 and the Secretary, Closed and Sick Industries Department, Government of West Bengal now called Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West of Bengal, was authorised to take over the management of the said Industrial Undertaking;

And, whereas, by the Order of the Government of India, in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 24(E)/18AA/IDRA/82 dated the 25th May, 1982, the duration of the said order was exten-

ded upto and inclusive of the 25th November, 1982,

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Industrial Undertaking should continue under the management of the Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal, for a further period upto the 31st May, 1983;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st May, 1983.

[File No. 2(23)/80-CUS]

A.P. SARWAN, Jt. Secy.